# 14

# ई-कॉमर्स

*यह पाठ वैज्ञानिक उन्नति की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को इंटरनेट के लाभ तथा ऑनलाइन व्यापार के विषय में बता रहा है।*

आज का युग विज्ञान का युग है। वैज्ञानिक **उन्नति** ने चारों दिशाओं में अपने पैर फैलाकर मानव जीवन को बहुत सुगम व सरल बना दिया है। नए-नए **आविष्कार** हुए। मनुष्य बैलगाड़ी और घोड़ागाड़ी से हवाई-जहाज़ तक पहुँच गया। कम्प्यूटर के आविष्कार ने तो संसार की काया ही पलट दी। सुविधाएँ और विकल्प बहुत उपलब्ध होने लगे।

बच्चो, क्या आपने कभी घर बैठे अपने जूते, जैकेट या अन्य कोई सामान खरीदा है? इंटरनेट के माध्यम से यह करना अत्यंत सरल एवं **सुविधाजनक** है। यदि आपने इंटरनेट के माध्यम से सामान खरीदा या बेचा है, तो इसका अर्थ यह हुआ कि आपने ई-कॉमर्स का प्रयोग किया है।

ई-कॉमर्स का आरंभ 1960 के दशक से हुआ। ई-कॉमर्स के इतिहास को ई-बे और अमेज़ॉन के बिना सोचना मूर्खता होगी क्योंकि ये इलैक्ट्रॉनिक ट्रांसैक्शन को शुरु करने वाली पहली इंटरनेट कंपनियों में से थीं। धीरे-धीरे प्रगति के द्वार खुलते चले गए। 1990 के दशक में ई-बे और अमेज़ॉन के **सहयोग** से ई-कॉमर्स उद्योग में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिला। आज अमेज़ॉन के अतिरिक्त कई अन्य कंपनियाँ जैसे- मिंत्रा, फ्लीपकार्ट, जैबांग इत्यादि भी इसी ई-कॉमर्स के माध्यम से व्यापार में बढ़ोतरी कर रही हैं। अब यूज़र्स या प्रयोग करने वाले ई-कॉमर्स के माध्यम से किसी भी वस्तु को घर बैठे खरीद सकते हैं या फिर वापिस कर सकते हैं।

सामान्यत: ई-कॉमर्स का अर्थ यह लगाया जाता है कि सामान को बेचने वाले और खरीदने वाले के बीच इंटरनेट के माध्यम से एक संबंध स्थापित करना। इस प्रकार सामान खरीदा या बेचा जाता है। यदि ई-कॉमर्स की तह तक जाया जाए तो बात समझ आती है कि इसको मुख्यत: चार भागों में विभाजित कर सकते हैं-

1. **व्यापारी से उपभोक्ता तक (B2C):** इसमें एक सप्लायर अपने सामान को सीधे-सीधे उपभोक्ता को बेचता है।



Edit with WPS Office

Edit with WPS Office

2. **व्यापारी से व्यापारी तक (B2B):** इस श्रेणी के अंतर्गत कंपनियाँ इंटरनेट के माध्यम से अपने **उत्पाद** या प्रोडक्ट्स अन्य कंपनियों को बेचते हैं। इसमें बेचने वाला और खरीदने वाला दोनों ही व्यापारी होते हैं।
3. **उपभोक्ता से उपभोक्ता तक (C2C):** जब उपभोक्ता या कंज्यूमर अपना सामान किसी अन्य उपभोक्ता को बेचता है। इसमें व्यक्ति अपनी पुरानी कार, ए.सी., बाइक इत्यादि किसी अन्य व्यक्ति को ऑनलाइन बेचता है। इसके लिए कोई माध्यम बनाया जाता है जैसे- OLX जैसी कई कंपनियाँ सर्विस के लिए उपभोक्ता को तैयार करती हैं।
4. **उपभोक्ता से व्यापारी तक (C2B):** इस श्रेणी में एक कंज्यूमर वेब साइट बनाने के लिए ऑनलाइन अपनी डिमांड भेजता है। कंपनियाँ अच्छी कीमत पर वेब साइट बनाने के लिए ऑफर करती हैं।

आज के समय में ई-कॉमर्स अत्यंत सुविधाजनक माना जाता है। ग्राहकों तथा उपभोक्ताओं को घर बैठे मन पसंद सामान मिल जाता है। यहाँ तक कि कई बार तो भारी छूट पर सस्ता सामान भी मिल जाता है। न ही बाज़ार जाने में समय बर्बाद होता है, न ही पार्किंग का झंझट, न ही जेब में पैसों की चिंता। सबसे मज़ेदार बात तो यह है कि तुलनात्मक अध्ययन भी हो जाता है। अलग-अलग कंपनियों का सामान देखकर सस्ता व बढ़िया सामान खरीदा जा सकता है। आज के इस व्यस्त जीवन में ई-कॉमर्स अत्यंत लाभदायक एवं सुविधाजनक है।




लघु उद्योग करने के लिए जिनके पास दुकान खरीदने के पैसे नहीं होते, वे ऑनलाइन सामान बेचते हैं। ई-कॉमर्स व्यापार को आरंभ करने व बढ़ाने में मदद करता है। इसे इसलिए भी प्रभावशाली माना जाता है क्योंकि पारंपरिक तरीके से किए गए व्यापार के लिए अनेक साधनों की आवश्यकता होती है जिससे लाभ की दर कम हो जाती है। ई-कॉमर्स में कुशलतापूर्वक साधनों का उपयोग करके खर्च को बचाया जाता है। पारंपरिक तरीके से किया गया व्यापार अत्यंत सीमित होता है जबकि ई-कॉमर्स द्वारा दुनिया भर में सामान खरीदा व बेचा जा सकता है।

प्रत्येक सिक्के के दो पहलू होते हैं। उसी प्रकार **असीमित** लाभों के साथ ई-कॉमर्स के कुछ सीमित नुकसान भी हैं। ऑनलाइन शॉपिंग में आप सामान को देख नहीं सकते, खराब सामान भी आपके पास पहुँच जाते हैं। कई बार **अकारण** ही सामान मँगवाकर हम फिजूल खर्च कर लते हैं। ऑनलाइन सामान खरीदने पर कभी-कभी क्रेडिट कार्ड की जानकारी भी चोरी हो जाती है। फिर भी भारत में यह व्यापार दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। हर महीने लगभग 6 मिलियन नए सदस्यों को जोड़ता है। सन 2016-17 में ऑनलाइन बाज़ार में 19 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

***-संकलित ( साभार इंटरनेट )***



Edit with WPS Office

## शब्द-अर्थ

उन्नति - प्रगति, तरक्की (Progress)
आविष्कार - खोज (Invention)
सहयोग - साथ देना (Cooperation)
उत्पाद - सामान (Products)
सुविधाजनक - आसान (Easy)
अकारण - बिना कारण के (Without any reason)
असीमित - जिसकी सीमा न हो (Unlimited)

## श्रुतलेख हेतु

उन्नति, आविष्कार, मूर्खता, क्रांतिकारी, बदलाव, सामान्यतः, विभाजित, सप्लायर, उपभोक्ता, अंतर्गत, सुविधाजनक, व्यापारी

# अभ्यास

## मौखिक

1. ई-कॉमर्स से आप क्या समझते हो?
2. ई-कॉमर्स में बदलाव किस दशक में आया?
3. ऑनलाइन शॉपिंग की कुछ कंपनियों के नाम बताइए।
4. ई-कॉमर्स को मुख्यतः कितने भागों में विभाजित किया गया है?

## लिखित

(क) **लघु उत्तरीय प्रश्न** (Short Answer Questions)-

1. ई-कॉमर्स के इतिहास की विस्तृत जानकारी दीजिए।
2. ई-कॉमर्स के चारों प्रकारों के नाम लिखिए।
3. सामान्यतः ई-कॉमर्स का क्या अर्थ लगाया जाता है? HOTS

(ख) **दीर्घ उत्तरीय प्रश्न** (Long Answer Questions)-

1. पारंपरिक तरीके से किया गया व्यापार तथा ई-कॉमर्स में क्या अंतर है?
2. ऑनलाइन शॉपिंग से क्या-क्या लाभ होते हैं?
3. शॉपिंग के अतिरिक्त इंटरनेट से और क्या-क्या लाभ होते हैं?
4. ई-कॉमर्स से क्या-क्या हानियाँ होती हैं?

(ग) **संकेत गद्यांश को पाठ में पढ़कर प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चुनिए-**

प्रत्येक सिक्के ........................................................ हुई है।



Edit with WPS Office

1. अकारण सामान मँगवाकर हम क्या करते हैं?
   (क) जेब खर्च ○ (ख) फिज़ूल खर्च ○ (ग) कम खर्च ○
2. सिक्के के कितने पहलू होते हैं?
   (क) दो ○ (ख) तीन ○ (ग) चार ○
3. ऑनलाइन शॉपिंग से किसकी चोरी का खतरा बना रहता है?
   (क) सामान ○ (ख) क्रेडिट कार्ड ○ (ग) जानकारी ○
4. 2016-17 में ऑनलाइन बाज़ार में कितने प्रतिशत की बढ़ौतरी हुई है?
   (क) 15 प्रतिशत ○ (ख) 18 प्रतिशत ○ (ग) 19 प्रतिशत ○

## भाषा की बात

**(क)** वे अव्यय शब्द जो वाक्य के विभिन्न घटकों को जोड़ने का कार्य करते हैं, उन्हें **समुच्चयबोधक अव्यय** कहा जाता है। जैसे - और, तथा, इसलिए, क्योंकि, पर, लेकिन आदि।

**नीचे लिखे वाक्यों में से समुच्चयबोधक शब्द छाँटकर वाक्यों के सामने लिखिए-** Conjunctions

1. मनुष्य बैलगाड़ी और घोड़ागाड़ी से हवाई जहाज़ तक पहुँच गया। ..........
2. आपने जूते, जैकेट या कोई अन्य सामान खरीदा है? ..........
3. ऑनलाइन शॉपिंग से फिज़ूल खर्च बढ़ता है क्योंकि फालतू सामान आ जाता है। ..........
4. ऑनलाइन शॉपिंग से क्रेडिट कार्ड खो जाने का खतरा रहता है इसलिए सावधानी बरतनी चाहिए। ..........

**(ख) नीचे दिए गए समुच्चयबोधक अव्ययों से वाक्य बनाइए-**

1. तथा ..........
2. लेकिन ..........
3. क्योंकि ..........
4. इसलिए ..........

**(ग) नीचे लिखे शब्दों में से मूलशब्द तथा प्रत्यय अलग करके लिखिए-** Suffix

1. पारंपरिक .......... + ..........
2. असीमित .......... + ..........
3. कुशलतापूर्वक .......... + ..........
4. जानकारी .......... + ..........

**(घ) विलोम शब्द लिखिए-** Opposite Words

1. मूर्खता × ..........
2. असीमित × ..........
3. उन्नति × ..........
4. आवश्यकता × ..........



Edit with WPS Office

## कला-कौशल

1. दिए गए चित्र को देखकर उसके प्रयोग पर एक अनुच्छेद लिखिए।

2. आपने यदि कभी ऑनलाइन कुछ भी कार्य किया है तो उसकी चर्चा कक्षा में कीजिए।
3. इंटरनेट उपयोगी या अनुपयोगी? इस विषय पर एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कीजिए।

## जीवन-कौशल

1. यदि आप इंटरनेट का प्रयोग गलत तरीकों से करते हैं तो आपको इससे क्या-क्या नुकसान होगा? **मूल्यपरक प्रश्न**

## श्रवण-कला

***शिक्षकगण से अनुरोध है कि पृष्ठ संख्या 127 पर दी गई पाठ्य-सामग्री को पढ़कर विद्यार्थियों को सुनाएँ तथा नीचे दिए गए प्रश्नों द्वारा श्रवण-कला की जाँच करें।***

### ईद

**प्रस्तुत गद्यांश को सुनिए और उसके आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-**

1. ईद के त्योहार पर मुख्य पकवान क्या बनाया जाता है?
2. ईद के दिन लोग परस्पर क्या भुला देते हैं?
3. ईद के दिन दान किस लिए किया जाता है?
4. मुसलमान लोग दान देने को क्या कहते हैं?
5. ईद का त्योहार लोगों के मन में कौन सी भावना जाग्रत करता है?
6. 'प्रदर्शन' शब्द एक भाववाचक संज्ञा है। इससे विशेषण बनाइए।
7. 'प्रेम' शब्द का विलोम शब्द बताइए।
8. 'भावना' शब्द में से मूलशब्द एवं प्रत्यय अलग करके बताइए।
9. 'विश्व' शब्द के दो समानार्थक शब्द बताइए।
10. गद्यांश का कोई और शीर्षक दीजिए।



Edit with WPS Office